SAMPLE QUESTION PAPER - 2
SUBJECT- Hindi B (085)
CLASS IX (2023-24)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक:** 80

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'।
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

साहस की जिन्दगी सबसे बड़ी जिंदगी होती हे। ऐसी जिंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिल्कुल निडर, बिल्कुल बेखौफ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं। जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना, यह साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न ही अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं। साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है जिन सपनों का कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है। साहस के साथ यदि धैर्य का संयोग हो तो इसे मणिकांचन योग माना जाता है। जीवन में जब विपरीत परिस्थितियाँ आएँ तो हमें साहस और धैर्य से उनका सामना करना चाहिए। गोस्वामी तुलसीदास ने भी 'असमय के सखा' के रूप में धैर्य और साहस दोनों को बनाए रखने पर बल दिया है।

(i) गद्यांश में किस गुण का वर्णन किया जा रहा है?

क) साहस का   ख) ताकत का

ग) मनुष्यता का   घ) निडरता का

(ii) साहसी व्यक्ति की असली पहचान क्या है?

क) वह निष्पाप व निडर होता है।   ख) वह निडर तथा बेखौफ होता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) वह निर्मम तथा बेखौफ होता है। घ) वह निशंक तथा निष्पाप होता है।

(iii) कैसा व्यक्ति दुनिया की असली ताकत होता है?

क) जनमत की उपेक्षा करके आगे बढ़ने वाला
ख) जनमत से वोट की उम्मीद् करके आगे बढ़ने वाला
ग) जनमत की राय की परवाह करके आगे बढ़ने वाला
घ) जनमत की सहमति से आगे बढ़ने वाला

(iv) क्रांति करने वाले लोगों की विशेषता है-

क) साहसी होना और दूसरों का अनुसरण नहीं करते
ख) लोगों के वोट से जीता हुआ व्यक्ति
ग) लोगों को साथ लेकर चलने वाला
घ) निडर, साहसी और पक्षपाती

(v) क्रांति करने वाले लोगों की पहचान है-

i. दूसरों से अपने उद्देश्य की तुलना न करना
ii. पड़ोसी को देखकर अपनी चाल को मद्धिम न बनाना
iii. विपरीत परिस्थितियों का सामना करना
iv. जनमत की उपेक्षा न करना

क) कथन i, ii व iii सही हैं
ख) कथन ii, iii व iv सही हैं
ग) कथन i, ii व iv सही हैं
घ) कथन ii सही है

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

विज्ञान ने मनुष्य को मशीन बना दिया है, यह कहना उचित नहीं है। मशीनों का आविष्कार मनुष्य ने अपनी सुख-सुविधा के लिए किया है। यदि मशीनें नहीं होतीं, तो मनुष्य इतनी तेजी से प्रगति नहीं कर पाता एवं उसका जीवन तमाम तरह के झंझावातों के बीच ही गुम होकर रह जाता। मशीनों से मनुष्य को लाभ हुआ है, यदि उसे भौतिक सुख-सुविधाएँ प्राप्त हो रही हैं, तो उसमें मशीनों का योगदान प्रमुख है। मशीनों को कार्यान्वित करने के लिए मनुष्य को उन्हें परिचालित करना पड़ता है जिससे कार्य करने में उसे अधिक परिश्रम नहीं करना पड़ता। यदि कोई व्यक्ति मशीन के बिना कार्य करे, तो उसे अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता पड़ेगी। इस दृष्टि से देखा जाए, तो मशीनों के कारण मनुष्य का जीवन यंत्रवत् नहीं हुआ है, बल्कि उसके लिए हर प्रकार का कार्य करना सरल हो गया है। यह विज्ञान का ही वरदान है कि अब डेबिट-क्रेडिट कार्ड के रूप में लोगों के पर्स में प्लास्टिक मनी आ गई है और वे जब भी चाहें, रुपये निकाल सकते हैं। रुपये निकालने के लिए अब बैंकों में घंटों लाइन में लगने की जरूरत ही नहीं।

पहले लंबी दूरी की यात्रा करना मनुष्य के लिए अत्यंत कष्टदायी होता था। अब विज्ञान ने मनुष्य की हर प्रकार की यात्रा को सुखमय बना दिया है। सड़कों पर दौड़ती मोटरगाड़ियाँ एवं

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

एयरपोर्ट पर लोगों की भीड़ इसका उदाहरण हैं।
पहले मनुष्य के पास मनोरंजन के लिए विशेष साधन उपलब्ध नहीं थे। अब उसके पास मनोरंजन के हर प्रकार के साधन उपलब्ध हैं। रेडियो, टेपरिकॉर्डर से आगे बढ़कर अब एलईडी, डीवीडी एवं डीटीएच, कंप्यूटर, इंटरनेट, मोबाइल का जमाना आ गया है। यही नहीं मनुष्य विज्ञान की सहायता से शारीरिक कमजोरियों एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा (निजात) पाने में अब पहले से कहीं अधिक सक्षम हो गया है और यह सब संभव हुआ चिकित्सा क्षेत्र में आई वैज्ञानिक प्रगति से।

(i) विज्ञान ने मनुष्यों को क्या दिया है?

क) परिश्रम | ख) सुख-सुविधाएँ

ग) मशीनें | घ) असुविधाएँ

(ii) मशीनें नहीं होती तो क्या होता?

क) मनुष्य खुश रहता | ख) मनुष्य तेजी से प्रगति नहीं कर पाता

ग) मनुष्य झंझावातों से निकल जाता | घ) मनुष्य तेजी से प्रगति कर पाता

(iii) मशीनों से मनुष्य के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा है?

क) उसका प्रत्येक कार्य सरल हो गया है | ख) उसका जीवन यंत्रवत् हो गया है

ग) उसका प्रत्येक कार्य कठिन हो गया है | घ) उसे अधिक परिश्रम करना पड़ता है

(iv) गद्यांश के अनुसार, विज्ञान का वरदान क्या है?

क) अब रुपये निकालने के लिए बैंकों में घंटों तक लाइन में नहीं लगना पड़ता | ख) डेबिट-क्रेडिट कार्ड के रूप में लोगों के पर्स में प्लास्टिक मनी आ गई है

ग) लोग जब चाहें रुपये निकाल सकते हैं | घ) सभी

(v) **कथन (A):** मशीनों के प्रयोग से मनुष्य सुख-सुविधा संपन्न हो गया है।
कारण (R): मशीनीकरण ने मनुष्य को अकर्मण्य व लालची बना दिया है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

ग) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही असत्य हैं।

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [2]

(i) पद बनने से पहले शब्द में **रूप साधक प्रत्यय** अवश्य लगते हैं इसलिए उन्हें ________ भी कहते हैं। [1]

क) शब्द रूप

ख) पद प्रत्यय

ग) शब्द प्रत्यय

घ) शब्द पद

(ii) वाक्य में प्रयुक्त ________ कोई-न-कोई कार्य अवश्य करता है। [1]

क) शब्द

ख) पद और शब्द

ग) पद

घ) इनमें से कोई नहीं।

4. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** [2]

(i) अनुनासिक और अनुस्वार में कौन-सा अंतर सही नहीं है? [1]

क) अनुनासिक का प्रयोग वहां होता है जहां मात्राएं शिरोरेखा के ऊपर ना लगी हों तथा अनुस्वार का प्रयोग वहां होता है जहां मात्राएं शिरोरेखा के ऊपर लगी हों।

ख) अनुनासिक को परिवर्तित नहीं किया जा सकता। अनुस्वार को वर्ण में बदला जा सकता है।

ग) अनुनासिक स्वर है और अनुस्वार व्यंजन।

घ) अनुनासिक शब्दों के अंत में प्रयोग किया जाता है तथा अनुस्वार शब्दों के आरंभ में प्रयोग किया जाता है।

(ii) निम्नलिखित शब्दों में से **अनुनासिक** के उचित प्रयोग वाला शब्द चुनिए- [1]
परँतु, सँतुलन, सँकलित, चाँदी

क) परँतु

ख) सँतुलन

ग) सँकलित

घ) चाँदी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii) यदि अनुस्वार के पश्चात कोई पंचमाक्षर (ड,ण,न,म) आता है तो अनुस्वार का प्रयोग किस रूप में होता है? [1]

क) मूल रूप
ख) सम्
ग) बिंदु
घ) चंद्रबिंदु

5. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 4 के उत्तर दीजिये:** [4]

(i) किस शब्द में दो प्रत्ययों का एक साथ प्रयोग किया गया है? [1]

क) सम्मानित
ख) जादूगर
ग) चिरस्मरणीय
घ) शीतलता

(ii) 'निजत्व' शब्द में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए। [1]

क) निजता + व
ख) निज + तव
ग) निज + त्व
घ) निजत + व

(iii) **व्यवस्था** से पूर्व कौन-सा उपसर्ग लगाए कि उसका अर्थ विपरीत हो जाए? [1]

क) परि
ख) अप
ग) अ
घ) आ

(iv) **संतोष** शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है? [1]

क) सन्
ख) स
ग) सम्
घ) सं

(v) **प्रतिदिन** शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है? [1]

क) प्रति
ख) प्र
ग) पर
घ) प्रत्

6. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:** [3]

(i) उचित संधि विच्छेद चुनिए- अन्नाभाव [1]

क) अन्ना + भाव
ख) अन्य + भाव
ग) अन्न + अभाव
घ) अन्या + भाव

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) यथेष्ट- [1]

क) गुण संधि ख) यण् संधि

ग) वृद्धि संधि घ) अयादि संधि

(iii) उचित संधि विच्छेद चुनिए- कर्मेन्द्रिय [1]

क) कर्म + इन्द्रिय ख) कर्मे + इन्द्रिय

ग) कर्मा + ईन्द्रिय घ) कर्म + ऐन्द्रिय

(iv) उचित संधि विच्छेद चुनिए- मन्त्रौषधि [1]

क) मंत्र + ऊषधि ख) मंत्रौ + षधि

ग) मंत्रम् + औषध घ) मंत्र + औषधि

7. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही तीन में उचित विराम-चिह्न लगाकर लिखिए-** [3]

i. अध्यापक ने कक्षा में मंत्र लघुकथा सुनाई
ii. पिता जी ने पूछा तुम इधर-उधर कहाँ घूमते रहते हो
iii. माँ ने पूछा बेटी तुम कब आई
iv. क्या तुम दिल्ली जा रहे हो

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** [2]

(i) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए- [1]
रामायण आज के भाग में रावण सीता का अपहरण नहीं करेगा।

क) आज्ञावाचक वाक्य ख) संदेहवाचक वाक्य

ग) निषेधवाचक वाक्य घ) विधानवाचक वाक्य

(ii) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए- [1]
शायद आज पवन अभी तक दफ़्तर नहीं पहुँचा होगा।

क) संदेह वाचक वाक्य ख) विधान वाचक वाक्य

ग) आज्ञा वाचक वाक्य घ) प्रश्न वाचक वाक्य

(iii) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए- [1]
डोली बहुत अच्छी लड़की है और मैं प्रार्थना करता हूँ कि उसे अच्छा लड़का मिले।

क) इच्छावाचक वाक्य ख) आज्ञावाचक वाक्य

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) विधानवाचक वाक्य

घ) संदेहवाचक वाक्य

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

इन नए बसते इलाकों में
जहाँ रोज बन रहे हैं नए-नए मकान
मैं अकसर रास्ता भूल जाता हूँ
धोखा दे जाते हैं पुराने निशान
खोजता हूँ ताकता पीपल का पेड़
खोजता हूँ ढहा हुआ घर
और जमीन का खाली टुकड़ा
जहाँ से बाएँ मुड़ना था मुझे
फिर दो मकान बाद बिना रंगवाले
लोहे के फाटक का घर था इकमंजिला
और मैं हर बार एक घर पीछे
चल देता हूँ
या दो घर आगे ठकमकाता

(i) प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने किसे संकट के रूप में दर्शाया है?

क) खाली पड़ी हुई जमीनों को

ख) मजदूरों के जीवन को

ग) बस्तियों में तीव्र गति से हो रहे निर्माण को

घ) आधुनिक विचारधारा के लोगों को

(ii) कवि के अनुसार, पुराने निशान धोखा क्यों दे जाते हैं?

क) क्योंकि कवि की याददाश कमजोर हो जाने के कारण

ख) क्योंकि कवि केवल नए को ही याद रखता है

ग) क्योंकि लोग उस जगह नए मकान बना लेते हैं

घ) क्योंकि लोग निशानों को समाप्त कर देते हैं

(iii) कवि द्वारा पीपल का पुराना पेड़, टूटा हुआ घर, जमीन का खाली टुकड़ा किसलिए ढूँढ़ा जा रहा है?

क) ताकि वह अपने मित्र से मिल सके

ख) ताकि वह रास्तों पर निशान बना सके

ग) ताकि वह नई कविता की रचना कर सके

घ) ताकि वह उस स्थान पर पहुँच सके जहाँ उसे जाना था

(iv) कवि को जमीन का खाली टुकड़ा क्यों नही मिला?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

क) क्योंकि वहाँ कोई जमीन थी ही नहीं

ख) सभी विकल्प सही हैं

ग) क्योंकि वहाँ भी किसी ने मकान बना लिया

घ) क्योंकि कवि को गलतफहमी हो गई थी

(v) कवि अपने घर से एकाध घर पहले ही मुड़ जाता है, क्यों?

क) पुरानी यादों को पुनः ताजा करने के कारण

ख) पड़ोसियों से मिलने जाने के कारण

ग) ठिकाना याद हो जाने के कारण

घ) नव निर्माण हो जाने से रास्ता भूल जाने के कारण

10. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [2]

(i) रहीम के **दोहे** के अनुसार एक बार प्रेम संबंध टूटने पर क्या होता है? [1]

क) रिश्ते कटु हो जाते हैं

ख) रिश्तों में और प्रगाढ़ता आती है

ग) फिर रिश्ते पहले जैसे नहीं होते

घ) रिश्ते पहले जैसे हो जाते हैं

(ii) रैदास ने ईश्वर को स्वामी कहते हुए स्वयं को क्या कहा है? [1]

क) नामदेव

ख) दास

ग) गरीब निवाजु

घ) लाल

11. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

अपने खर्राटों से एक और रात गुंजायमान करने के बाद कल जो किरण तुम्हारे बिस्तर पर आएगी वह तुम्हारे यहाँ आगमन के बाद पाँचवें सूर्य की परिचित किरण होगी। आशा है, वह तुम्हें चूमेगी और तुम घर लौटने का सम्मानपूर्ण निर्णय ले लोगे। मेरी सहनशीलता की वह अंतिम सुबह होगी। उसके बाद मैं स्टैंड नहीं कर सकूँगा और लड़खड़ा जाऊँगा। मेरे अतिथि, मैं जानता हूँ कि अतिथि देवता होता है, पर आखिर मैं भी मनुष्य हूँ। मैं कोई तुम्हारी तरह देवता नहीं। एक देवता और एक मनुष्य अधिक देर साथ नहीं रहते। देवता दर्शन देकर लौट जाता है। तुम लौट जाओ अतिथि! इसी में तुम्हारा देवत्व सुरक्षित रहेगा। यह मनुष्य अपनी वाली पर उतरे, उसके पूर्व तुम लौट जाओ!

उफ, तुम कब जाओगे, अतिथि?

(i) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक किस बात की आशा कर रहा है?

क) अगले दिन अतिथि ससम्मान अपने घर लौट जाएगा

ख) लेखक की पत्नी उस पर क्रोध नहीं करेगी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) अतिथि को अपने घर में ही रख लेगा

घ) सभी विकल्प सही हैं

(ii) **मेरी सहनशीलता की वह अंतिम सुबह होगी** पंक्ति में किस बात को सहन करने की चर्चा की जा रही है?

क) अतिथि और लेखक की पत्नी के बीच झगड़े की

ख) लॉण्ड्री वालों की मनमर्जी चलाने की

ग) लेखक के घर उसका सम्मान न होने की

घ) अतिथि के अधिक दिनों तक लेखक के घर रुकने की

(iii) लेखक के अनुसार अतिथि देवता होता है। उस देवता की क्या विशेषता बताई गई है?

क) देवता दर्शन देकर चला जाता है

ख) देवता घर में ही ठहर जाता है

ग) देवता दुःख में साथ देता है

घ) देवता किसी के घर नहीं जाता है

(iv) गद्यांश के आधार पर बताइए कि अतिथि का देवत्व कब तक सुरक्षित रह सकता है?

क) अतिथि समय पर न आए

ख) अतिथि पेंइंग गेस्ट की तरह रहे

ग) अतिथि यदि अधिक समय तक किसी के घर न रुके

घ) अतिथि के अधिक दिन ठहरने पर

(v) **तुम कब जाओगे, अतिथि** पाठ में लेखक ने किस पर व्यंग्य किया है?

क) साहित्यकारों पर

ख) सामाजिक रूढ़िवादिता पर

ग) शिक्षा तंत्र पर

घ) अतिथि जो जाने का नाम नहीं लेता

12. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[2]**

(i) 'महादेव के लिखे नोट के साथ थोड़ा मिलान कर लेना था न' - यह पंक्ति किसने कही ? 'शुक्रतारे के समान' पाठ के आधार पर बताइए। **[1]**

क) गांधी जी ने

ख) लुई फिशर ने

ग) महादेव जी ने

घ) वाईसराय ने

(ii) **एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा** में कैंप-एक पर पँहुचने वाली दो महिलाएँ कौन थीं? **[1]**

क) इनमें से कोई नहीं

ख) डॉ. मीनू मेहता तथा रीता गोंबू

ग) डॉ. मीनू मेहता तथा बचेंद्री पाल

घ) रीता गोंबू तथा बचेंद्री पाल

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** [6]

(i) **एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा** पाठ में लेखिका ने शेरपा कुली को अपना परिचय किस तरह दिया? [3]

(ii) लेखक को कब लगा कि उसकी पोशाक उसके लिए व्यवधान बन गई? [3]

(iii) गांधीजी की आत्मकथा **सत्य के प्रयोग** को पुस्तकालय से लेकर पढ़िए। [3]

14. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** [6]

(i) रहीम ने सागर की अपेक्षा पंक जल को धन्य क्यों कहा है? रहीम के दोहे के आधार पर लिखिए। [3]

(ii) पहले पद में भगवान और भक्त की जिन-जिन चीजों से तुलना की गई है, उनका उल्लेख कीजिए। रैदास के पद के आधार पर उत्तर दीजिए। [3]

(iii) **तू न थमेगा कभी! तू ने मुड़ेगा कभी** पंक्ति में कवि हरिवंश राय बच्चन मनुष्य को क्या प्रेरणा देना चाहता है? [3]

15. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** [6]

(i) लेखिका **महादेवी वर्मा** को जीव-जंतुओं की संवेदनाओं की सूक्ष्म समझ थी। इसे स्पष्ट करते हुए बताइए कि आपको इनसे किन किन मूल्यों को अपनाने की सीख मिलती है? [3]

(ii) स्मृति पाठ से किन-किन बाल-सुलभ शरारतों के विषय में पता चलता है? [3]

(iii) लेखक को पुरस्कार स्वरूप मिली दोनों पुस्तकों का कथ्य क्या था? **मेरा छोटा-सा निजी पुस्तकालय** के आधार पर लिखिए। [3]

16. **दुविधा में दोनों गए माया मिली न राम** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। [6]

- पंक्ति का अर्थ
- एक लक्ष्य में सफलता संभव
- दो लक्ष्यों में दुविधा
- दुविधा से शक्तियों का बँटवारा
- अपना मत

अथवा

कसरत और योगाभ्यास : एक जीवन-शैली विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- कसरत और योगाभ्यास क्या है?
- जीवन-शैली में इसे शामिल करने की आवश्यकता

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

• लाभ

अथवा

ज़िन्दगी जिन्दादिली का नाम है विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- भूमिका
- नवीन दृष्टिकोण
- निष्काम कर्म

17. आपके मित्र के पिताजी ने नया मकान बनवाया है, परन्तु, आप गृह-प्रवेश पर पहुँचने में असमर्थ है, इसलिए इस सुअवसर पर अपने मित्र को शुभकामनाएँ एवं बधाई देते हुए पत्र लिखिए। **[6]**

अथवा

आपके चाचा जी की पदोन्नति हुई है। उन्हें शुभकामना देते हुए बधाई-पत्र लिखिए।

18. दिए गए चित्र को देखकर लगभग 100 शब्दों में वर्णन कीजिए। **[5]**

19. देश में व्याप्त भ्रष्टाचार पर मोहित और राहुल दो मित्रों के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। **[5]**

अथवा

समाज में लड़कियों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आत्मसुरक्षा की सीख देते हुए एक माँ और बेटी का संवाद 50 शब्दों में लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answers

खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
साहस की जिन्दगी सबसे बड़ी जिंदगी होती हे। ऐसी जिंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिल्कुल निडर, बिल्कुल बेखौफ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं। जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना, यह साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न ही अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं। साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है जिन सपनों का कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है। साहस के साथ यदि धैर्य का संयोग हो तो इसे मणिकांचन योग माना जाता है। जीवन में जब विपरीत परिस्थितियाँ आएँ तो हमें साहस और धैर्य से उनका सामना करना चाहिए। गोस्वामी तुलसीदास ने भी 'असमय के सखा' के रूप में धैर्य और साहस दोनों को बनाए रखने पर बल दिया है।

(i) **(क)** साहस का
व्याख्या: साहस का

(ii) **(ख)** वह निडर तथा बेखौफ होता है।
व्याख्या: वह निडर तथा बेखौफ होता है।

(iii) **(क)** जनमत की उपेक्षा करके आगे बढ़ने वाला
व्याख्या: जनमत की उपेक्षा करके आगे बढ़ने वाला

(iv) **(क)** साहसी होना और दूसरों का अनुसरण नहीं करते
व्याख्या: साहसी होते हैं और दूसरों का अनुसरण नहीं करते।

(v) **(क)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
विज्ञान ने मनुष्य को मशीन बना दिया है, यह कहना उचित नहीं है। मशीनों का आविष्कार मनुष्य ने अपनी सुख-सुविधा के लिए किया है। यदि मशीनें नहीं होतीं, तो मनुष्य इतनी तेजी से प्रगति नहीं कर पाता एवं उसका जीवन तमाम तरह के झंझावातों के बीच ही गुम होकर रह जाता। मशीनों से मनुष्य को लाभ हुआ है, यदि उसे भौतिक सुख-सुविधाएँ प्राप्त हो रही हैं, तो उसमें मशीनों का योगदान प्रमुख है। मशीनों को कार्यान्वित करने के लिए मनुष्य को उन्हें परिचालित करना पड़ता है जिससे कार्य करने में उसे अधिक परिश्रम नहीं करना पड़ता।
यदि कोई व्यक्ति मशीन के बिना कार्य करे, तो उसे अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता पड़ेगी। इस दृष्टि से देखा जाए, तो मशीनों के कारण मनुष्य का जीवन यंत्रवत् नहीं हुआ है, बल्कि उसके लिए हर प्रकार का कार्य करना सरल हो गया है। यह विज्ञान का ही वरदान है कि अब डेबिट-क्रेडिट कार्ड के रूप में लोगों के पर्स में प्लास्टिक मनी आ गई है और वे जब भी चाहें, रुपये

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

निकाल सकते हैं। रुपये निकालने के लिए अब बैंकों में घंटों लाइन में लगने की जरूरत ही नहीं। पहले लंबी दूरी की यात्रा करना मनुष्य के लिए अत्यंत कष्टदायी होता था। अब विज्ञान ने मनुष्य की हर प्रकार की यात्रा को सुखमय बना दिया है। सड़कों पर दौड़ती मोटरगाड़ियाँ एवं एयरपोर्ट पर लोगों की भीड़ इसका उदाहरण हैं।
पहले मनुष्य के पास मनोरंजन के लिए विशेष साधन उपलब्ध नहीं थे। अब उसके पास मनोरंजन के हर प्रकार के साधन उपलब्ध हैं। रेडियो, टेपरिकॉर्डर से आगे बढ़कर अब एलईडी, डीवीडी एवं डीटीएच, कंप्यूटर, इंटरनेट, मोबाइल का जमाना आ गया है। यही नहीं मनुष्य विज्ञान की सहायता से शारीरिक कमजोरियों एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा (निजात) पाने में अब पहले से कहीं अधिक सक्षम हो गया है और यह सब संभव हुआ चिकित्सा क्षेत्र में आई वैज्ञानिक प्रगति से।

(i) **(ग)** मशीनें
व्याख्या: मशीनें

(ii) **(ख)** मनुष्य तेजी से प्रगति नहीं कर पाता
व्याख्या: मनुष्य तेजी से प्रगति नहीं कर पाता

(iii) **(क)** उसका प्रत्येक कार्य सरल हो गया है
व्याख्या: उसका प्रत्येक कार्य सरल हो गया है

(iv) **(घ)** सभी
व्याख्या: सभी

(v) **(क)** (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(i) **(क)** शब्द रूप
व्याख्या: शब्द रूप - बालक, बालिका

(ii) **(ग)** पद
व्याख्या: पद - लिंग, वचन, कारक आदि के अनुसार।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:

(i) **(घ)** अनुनासिक शब्दों के अंत में प्रयोग किया जाता है तथा अनुस्वार शब्दों के आरंभ में प्रयोग किया जाता है।
व्याख्या: अनुनासिक शब्दों के अंत में प्रयोग किया जाता है तथा अनुस्वार शब्दों के आरंभ में प्रयोग किया जाता है। जैसे - संस्था (अनुनासिक), पहुँच (अनुस्वार)

(ii) **(घ)** चाँदी
व्याख्या: चाँदी

(iii) **(क)** मूल रूप
व्याख्या: मूल रूप। जैसे- अन्न,अम्मा

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 4 के उत्तर दीजिये:

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(i) **(घ)** शीतलता
व्याख्या: शीतलता (शीत+ल+ता)
(ii) **(ग)** निज + त्व
व्याख्या: 'निजत्व' शब्द में 'निज' मूल शब्द है और 'त्व' प्रत्यय है।
(iii) **(ग)** अ
व्याख्या: अ
(iv) **(ग)** सम्
व्याख्या: सम् + तोष
(v) **(क)** प्रति
व्याख्या: प्रति + दिन

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:
(i) **(ग)** अन्न + अभाव
व्याख्या: अन्न + अभाव
(ii) **(क)** गुण संधि
व्याख्या: गुण संधि
(iii) **(क)** कर्म + इन्द्रिय
व्याख्या: कर्म + इन्द्रिय
(iv) **(घ)** मंत्र + औषधि
व्याख्या: मंत्र + औषधि

7. i. अध्यापक ने कक्षा में 'मंत्र' लघुकथा सुनाई।
ii. पिता जी ने पूछा "तुम इधर-उधर कहाँ घूमते रहते हो?"
iii. माँ ने पूछा, "बेटी, तुम कब आईं?"
iv. क्या तुम दिल्ली जा रहे हो?

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:
(i) **(ग)** निषेधवाचक वाक्य
व्याख्या: निषेधवाचक वाक्य
(ii) **(क)** संदेह वाचक वाक्य
व्याख्या: संदेह वाचक वाक्य
(iii) **(क)** इच्छावाचक वाक्य
व्याख्या: इच्छावाचक वाक्य

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
इन नए बसते इलाकों में
जहाँ रोज बन रहे हैं नए-नए मकान
मैं अकसर रास्ता भूल जाता हूँ
धोखा दे जाते हैं पुराने निशान

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खोजता हूँ ताकता पीपल का पेड़
खोजता हूँ ढहा हुआ घर
और जमीन का खाली टुकड़ा
जहाँ से बाएँ मुड़ना था मुझे
फिर दो मकान बाद बिना रंगवाले
लोहे के फाटक का घर था इकमंजिला
और मैं हर बार एक घर पीछे
चल देता हूँ
या दो घर आगे ठकमकाता

(i) **(ग)** बस्तियों में तीव्र गति से हो रहे निर्माण को
व्याख्या: बस्तियों में तीव्र गति से हो रहे निर्माण को

(ii) **(ग)** क्योंकि लोग उस जगह नए मकान बना लेते हैं
व्याख्या: क्योंकि लोग उस जगह नए मकान बना लेते हैं

(iii) **(घ)** ताकि वह उस स्थान पर पहुँच सके जहाँ उसे जाना था
व्याख्या: ताकि वह उस स्थान पर पहुँच सके जहाँ उसे जाना था

(iv) **(ग)** क्योंकि वहाँ भी किसी ने मकान बना लिया
व्याख्या: क्योंकि वहाँ भी किसी ने मकान बना लिया

(v) **(घ)** नव निर्माण हो जाने से रास्ता भूल जाने के कारण
व्याख्या: नव निर्माण हो जाने से रास्ता भूल जाने के कारण

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(i) **(ग)** फिर रिश्ते पहले जैसे नहीं होते
व्याख्या: रहीम के **दोहे** के अनुसार एक बार प्रेम संबंध टूटने पर फिर रिश्ते पहले जैसे नहीं होते हैं।

(ii) **(ख)** दास
व्याख्या: दास

11. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

अपने खर्राटों से एक और रात गुंजायमान करने के बाद कल जो किरण तुम्हारे बिस्तर पर आएगी वह तुम्हारे यहाँ आगमन के बाद पाँचवें सूर्य की परिचित किरण होगी। आशा है, वह तुम्हें चूमेगी और तुम घर लौटने का सम्मानपूर्ण निर्णय ले लोगे। मेरी सहनशीलता की वह अंतिम सुबह होगी। उसके बाद मैं स्टैंड नहीं कर सकूँगा और लड़खड़ा जाऊँगा। मेरे अतिथि, मैं जानता हूँ कि अतिथि देवता होता है, पर आखिर मैं भी मनुष्य हूँ। मैं कोई तुम्हारी तरह देवता नहीं। एक देवता और एक मनुष्य अधिक देर साथ नहीं रहते। देवता दर्शन देकर लौट जाता है। तुम लौट जाओ अतिथि! इसी में तुम्हारा देवत्व सुरक्षित रहेगा। यह मनुष्य अपनी वाली पर उतरे, उसके पूर्व तुम लौट जाओ! उफ, तुम कब जाओगे, अतिथि?

(i) **(क)** अगले दिन अतिथि ससम्मान अपने घर लौट जाएगा
व्याख्या: अगले दिन अतिथि ससम्मान अपने घर लौट जाएगा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) **(घ)** अतिथि के अधिक दिनों तक लेखक के घर रुकने की
व्याख्या: अतिथि के अधिक दिनों तक लेखक के घर रुकने की
(iii) **(क)** देवता दर्शन देकर चला जाता है
व्याख्या: देवता दर्शन देकर चला जाता है
(iv) **(ग)** अतिथि यदि अधिक समय तक किसी के घर न रुके
व्याख्या: अतिथि यदि अधिक समय तक किसी के घर न रुके
(v) **(घ)** अतिथि जो जाने का नाम नहीं लेता
व्याख्या: अतिथि जो जाने का नाम नहीं लेता

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:
(i) **(क)** गांधी जी ने
व्याख्या: गांधी जी से मिलने आने वाले अन्य लोग जब लिखते थे तब उनके लेख में कोई - न - कोई गलती निकल जाती थी पर महादेव जी के लेख में एक कॉमा की भी गलती नही निकलती थी। ऐसे में गांधी जी उन लोगों से उक्त पंक्ति कहते थे।
(ii) **(घ)** रीता गोंबू तथा बचेंद्री पाल
व्याख्या: एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा में कैंप-एक पर पँहुचने वाली दो महिलाएँ रीता गोंबू तथा बचेंद्री पाल थीं।

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:
(i) लेखिका ने शेरपा कुली को अपना परिचय यह कह कर दिया कि वह बिल्कुल ही नौसिखिया है और एवरेस्ट उसका पहला अभियान है।
(ii) लेखक वृद्धा की दशा देखकर व्यथित था। वह फुटपाथ पर बैठकर बुढ़िया के प्रति सहानुभूति प्रकट करना चाहता था। परन्तु ऐसा करने में उसकी पोशाक ही व्यवधान बन गई, क्योंकि लेखक ने आधुनिक ढंग के स्वच्छ वस्त्र पहने हुए थे, जो उसके कुलीन वर्ग से संबंधित होने का प्रमाण दे रहे थे। उसकी पोशाक ने उसमें बड़प्पन का अभिमान जगा दिया। जिसके कारण वह सबके सामने गरीब बुढ़िया का दर्द न बाँट सका।
(iii) 'सत्य के प्रयोग' गांधीजी की आत्मकथा है। इसमें उनके बचपन से लेकर 1921 तक के जीवन के बारे में वर्णन किया गया है। इसे उन्होंने स्वयं लिखा और साप्ताहिक तौर पर यह उनके पत्र नवजीवन में प्रकाशित होती थी। इसमें उन्होंने अपने जीवन की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख किया है, जिन्होंने उनके जीवन एवं सोच को दिशा दी। साथ ही जीवन में सीखे गए महत्वपूर्ण पाठों के बारे में गांधीजी ने अपनी आत्मकथा में लिखा है।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:
(i) रहीम ने सागर के जल को व्यर्थ इसलिए कहा है, क्योंकि यह पीने के काम नहीं आता। सागर में अथाह जल होने पर भी लोग प्यासे मरते हैं। इसकी तुलना में पंक-जल गंदा होते हुए भी इसलिए धन्य है, क्योंकि इसे पीकर छोटे-छोटे जीवों की प्यास बुझती है। इस प्रकार यह जल उपयोगी है जबकि सागर के जल का कोई उपयोग नहीं है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) पहले पद में भक्त ने ईश्वर के प्रति अपने भक्ति भाव को व्यक्त करने के लिए कई चीजों के बीच तुलना की है। रैदास के पहले पद में भगवान और भक्त की चंदन-पानी, घन-वन-मोर, दीपक-बाती, मोती-धागा, सोना-सुहागा आदि से तुलना की गयी है। भक्त भक्ति के माध्यम से प्रभु के नाम की लगन में रम जाना चाहता है और इसीलिये वह किसी भी प्रकार अथवा रूप में भगवान से जुड़ना चाहता है।

(iii) अग्निपथ संघर्षमय जीवन का प्रतीक है। जीवन-पथ पर आगे बढ़ने के लिए आत्मविश्वास देता है सीमित सुख-साधनों में गुजारा करना तथा कठोर परिश्रम तथा निडरता की आवश्यकता है।

15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:

(i) लेखिका अत्यंत संवेदनशील थीं मनुष्य ही नहीं पशु-पक्षियों का दुख भी उनसे नहीं देखा जाता था। इसके अलावा उसे जीव-जंतुओं की भावनाओं की सूक्ष्म समझ थी। लेखिका ने देखा कि वसंत ऋतु में गिल्लू अन्य गिलहरियों की चिक-चिक सुनकर उन्हें अपनेपन के भाव से खिड़की में से निहारता रहता है तो उन्होंने तुरंत कीलें हटवाकर खिड़की की जाली से रास्ता बनवा दिया, जिससे वह बाहर जाकर अन्य गिलहरियों के साथ उछल-कूद करने लगा। इससे हमें जीव-जंतुओं की भावनाएँ समझने, उनके प्रति दयालुता दिखाने तथा जीवों को उनके प्राकृतिक आवास में पहुँचाने की प्रेरणा मिलती है।

(ii) बच्चे बाल्यावस्था में पेड़ों पर चढ़ते हैं और उस पेड़ के फल तोड़कर खाते हैं, कुछ फल फेंक देते हैं तथा बच्चों को पेड़ों से बेर आदि फल तोड़कर खाने में मज़ा आता है। बच्चे स्कूल जाते समय रास्ते में शरारतें करते हुए तथा शोर करते हुए जाते। हैं। तथा बच्चे जीव-जन्तुओं को तंग करके खुश होते हैं। रास्ते में कुत्ते, बिल्ली या किसी कीड़े को पत्थर मारकर सताते हैं। क्योंकि वे नासमझ होते हैं। उन्हें उनके दर्द व पीड़ा के बारे में पता नहीं चलता। वे नासमझी व बाल शरारतों के कारण ऐसा करते हैं।

(iii) लेखक को पुरस्कार स्वरूप जो दो पुस्तकें मिली थीं, उनमें से एक का कथ्य था दो छोटे बच्चों का घोंसलों की खोज में बागों और कुंजों में भटकना और इसी बहाने पक्षियों की बोली, जातियों और आदतों को जानना तथा दूसरी पुस्तक का कथ्य था-पानी के जहाज़ों से जुड़ी जानकारी एवं नाविकों की जानकारी व शार्क-ह्वेल के बारे में ज्ञान कराना।

16. "दुविधा में दोनों गए माया मिली न राम" - उक्ति का तात्पर्य है दुविधा में पड़ने से कुछ नहीं मिलता है, अपितु जो पास होता है कभी-कभी उसे भी गँवाने की नौबत आ जाती है। एक लक्ष्य से सफलता संभव है। मनुष्य को अपने जीवन में सदैव एक लक्ष्य रखना चाहिए और उसे प्राप्त करने के लिए सदैव प्रयत्नशील रहना चाहिए तभी उस लक्ष्य की प्राप्ति संभव है। दो लक्ष्य की दुविधा में आदमी एकनिष्ठ होकर कर्तव्यनिष्ठ नहीं रह पाता है। जो व्यक्ति कभी किसी को अपना लक्ष्य बनाता है तो कभी किसी को, तो वह दुविधा में फँस जाता है कि आखिर किस लक्ष्य की ओर जाए। एक से अधिक लक्ष्य सामने होने पर वह अपना निश्चित लक्ष्य निर्धारित नहीं कर पाता है और प्रत्येक दिशा में प्रयत्न करता है जिससे उसकी कार्यशक्ति और विचार शक्ति दोनों पर प्रभाव पड़ता है। दुविधा से शक्तियों का बँटवारा होने का भय हमेशा बना रहता है। लक्ष्य प्राप्ति की दुविधा में वह भी असफलता रूपी नदी में डूब जाता है। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि यदि मानव एकाग्र

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

होकर अपना एक लक्ष्य निर्धारित करके उसी दिशा में बढ़े तो उसे सफलता अवश्य मिलेगी और यह कहावत "दुविधा में दोनों गए माया मिली न राम" कभी भी चरितार्थ नहीं होगी।

अथवा

आधुनिक जीवन की भागदौड़ भरी जिंदगी और अर्थ की प्रधानता के कारण आज का मानव न चाहते हुए भी दबाव एवं तनाव, रोग ग्रस्त, अनिद्रा, निराशा, विफलता, काम, क्रोध तथा अनेकानेक कष्टपूर्ण परिस्थितियों में जीवन निर्वाह करने के लिए बाध्य हो गया है। ऐसे में योग की प्रासंगिकता बढ़ जाती है। योग हमारे समाज में बहुत पुरानी संस्कृति एवं धरोहर है। आज दुनिया भर में योग का अभ्यास किया जा रहा है मूल रूप से योग ना केवल व्यायाम का एक रूप है। बल्कि स्वास्थ्य, खुशहाल और शांतिपूर्ण तरीके से जीने का प्राचीन ज्ञान है। यदि हम नियमित रूप से योग का अभ्यास करेंगे तो शरीर में सकारात्मक बदलाव हो सकेंगे जिससे कुछ ऐसी बीमारियाँ जो आज हमारे जीवन शैली में सामान्य है। उन से भी छुटकारा पाने में योग हमारी मदद करता है। एक सर्वे के मुताबिक विश्व में 2 अरब से भी ज्यादा लोग रोजाना योगाभ्यास कर रहे हैं और स्वस्थ भी हो रहे है योग तो 5000 साल पुराना भारतीय दर्शनशास्त्र है। वैदिक ग्रंथों में योग का विशेष रूप से वर्णन है। शरीर साधना का सर्वश्रेष्ठ साधन है। किसी ने ठीक ही कहा है- 'जान है तो जहाँ है' योग के संदर्भ के एक स्वयं सिद्ध कथन है-

करें योग, भगाये रोग

योग एक चमत्कार है और अगर इसे किया जाए तो यह आपके पूरे जीवन का मार्गदर्शन करेगा प्रतिदिन 20 से 1800 सेकंड योग करके आध्यात्मिक, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन प्रदान करके आपके जीवन को हमेशा के लिए बदल सकता है प्रत्येक व्यक्ति को एक समय योगासनों के लिए समर्पित करना चाहिए। सभी आयु के पुरुष, महिलाएँ एवं बच्चे प्रसन्नतापूर्वक कर सकते हैं। केवल एक दृढ़ संकल्प की आवश्यकता है। एक बार योगाभ्यास की अच्छी आदत पड़ जाए, फिर संसार के सभी काम पीछे छूट जाएँगे, लेकिन योगाभ्यास नहीं छूटेगा।

अथवा

ज़िंदगी ज़िंदादिली का नाम है

"ज़िंदगी ज़िंदादिली का नाम है।"- इस कथन का अर्थ हैं अपने जीवन को खुलकर जीना। जो अपने जीवन को खुलकर जीता है उसे सुख-दुख, आशा-अभिलाषा प्रभावित नहीं करती। आज ही ज़िंदगी की हर खुशी के मजे ले लें और मस्ती से जिएँ यही है जीवन का वास्तविक सुख। ज़िंदगी के सपनों को पूरा करने के लिए आज का सही उपयोग करें। यह भी याद रखें कि बीता हुआ समय फिर कभी वापस नहीं आता। आज को उत्साह और खुशी से जीना ही तो ज़िंदादिली है। ज़िंदादिल के लिए खुशी की अत्यधिक आवश्यकता होती है क्योंकि खुशदिल इंसान ही वास्तविक रूप में ज़िंदादिल होता है। परंतु खुशी है कहाँ और उसे कैसे ढूँढ़े?

कोई खुशी को धन में, कोई प्रसिद्धी में, कोई आध्यत्मिकता में, कोई पढ़ने-लिखने में, कोई समाज सेवा में और कोई न जाने किस-किस क्षेत्र में ढूँढ़ता है। परंतु वास्तविकता तो यह है कि खुशी हमारे अंदर है और हम उसे बाहर ढूँढ़ते हैं जैसे- कस्तूरी मृग कस्तूरी की सुगंध का आनंद लेने के बाद उसे बाहर ढूँढ़ता है जबकि वह उसकी नाभि में होती है। वास्तविक खुशी हमें ज़िंदादिल बनाती है। वास्तविक अर्थ में हमें खुशी तब मिलती है जब किसी कार्य के परिणाम के विषय में न सोचें। निष्काम भाव से बिना किसी लाभ-हानि और अपेक्षा से किसी कार्य को करने से ही हम खुश रह सकते हैं। यदि हम ध्यान से देखें तो हमें संसार में दो प्रकार के लोग मिलेंगे- सकारात्मक और

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

नकारात्मक। यह कुछ अटपटा लगता है परंतु यह कड़वी सच्चाई है।
कुछ युवकों का जीवन के प्रति नकारात्मक हष्टिकोण होने के कारण उनके जीवन में न कोई उत्साह है, न कोई उमंग है। उनके चेहरे बुझे-बुझे लगते हैं। इसलिए वे जवानी में ही बूढ़े हो जाते हैं। कुछ वृद्धों में ज़िंदगी की शाम में भी जीवन के प्रति सकारात्मक हष्टिकोण के कारण चेहरों पर ताजगी है और दिल में उमंगें हैं। इसी का नाम ज़िंदादिली है। परंतु इसके साथ अपने पारिवारिक नैतिक, सामाजिक कर्तव्यों को पूरा करना भी हमारा धर्म है। दोनों स्थितियों में सामंजस्य बनाकर चलें व जीवन का आनंद लें।

17. 76, पिंकसिटी,
जयपुर।
दिनांक : 05-03-2019
प्रिय मित्र राहुल
सप्रेम नमस्कार।
तुम्हारा आमन्त्रण पत्र मिला, जिससे ज्ञात हुआ कि आपके पिताजी ने नया आवास बनवाया है और आपने गृह प्रवेश के कार्यक्रम पर मुझे आमन्त्रित किया है। सर्वप्रथम, अपने नए मकान के गृह-प्रवेश के अवसर पर मेरी ओर से हार्दिक बधाई स्वीकारें। साथ ही खेद भी है कि मैं इस सुअवसर पर सम्मिलित होने में असमर्थ हूँ। कारण यह है कि उसी दिन विद्यालय में मेरी विज्ञान प्रदर्शनी है। जिसके अंक भी वार्षिक परीक्षा के परीक्षाफल में जोड़े जायेंगे। मैं चाहकर भी आपके यहाँ आने में असमर्थ हूँ। अतः क्षमा करना। मेरी ओर से शुभकामनाएँ और बधाई स्वीकार करें। समय मिलते ही मैं शीघ्र ही आपसे मिलने आपके नए घर आऊँगा। चाचाजी एवं चाचीजी को मेरा सादर प्रणाम कहना।
तुम्हारा मित्र
हरीश

अथवा

पी-276,
हुकुमराव अपार्टमेंट,
वसंत विहार, दिल्ली।
02 मार्च, 2019
आदरणीय चाचा जी,
सादर चरण-स्पर्श।
आपका भेजा हुआ पत्र मिला। आप सपरिवार स्वस्थ एवं कुशल हैं यह जानकर खुशी हुई किंतु घर के सभी लोगों की खुशी उस समय देखने लायक थी जब यह जाना कि आपकी पदोन्नति हो गई है। यह आपकी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का फल है। चाचा जी, आपकी नियुक्ति कनिष्ठ अभियंता पद पर हुई थी, किंतु आपने अपनी सच्चाई, मेहनत और ईमानदारी से कार्य करने की शैली के कारण उच्चाधिकारियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। आपने उच्च गुणवत्ता वाली सामग्रियों का इस्तेमाल कर सरकारी भवनों, कार्यालयों, पुलों की आयु-सीमा में वृद्धि की, यह गोपनीय रिपोर्ट से सिद्ध हो गया था। समय से पूर्व ही आपकी अभियंता, वरिष्ठ-अभियंता और अब मुख्य अभियंता पद पर पदोन्नति हुई है। इस पदोन्नति पर मैं परिवार की ओर से आपको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ। मैं कामना करता हूँ कि इस पद को सुशोभित करते हुए आप नई

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ऊँचाइयाँ छुएँ।
आदरणीय चाची जी को प्रणाम तथा शैली को स्नेह।
आपका भतीजा,
सचिनबंसल

18. प्रस्तुत चित्र में किसी माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राएँ विद्यालय परिसर में सफाई करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके हाथ में झाड़ू है। वे पूरी तन्मयता व जोश के साथ इस सफाई अभियान में जुटे हुए हैं। वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्वच्छता अभियान पूरे देश में चलाया हुआ है। स्वच्छता के महत्व को देखते हुए विद्यार्थियों ने अपने शहर को जो साफ करने का जो प्रयास आरम्भ किया है वह सराहनीय है। जिस प्रकार स्वस्थ रहने के लिए स्वयं की सफाई की आवश्यकता होती है उसी प्रकार हमें अपने आस-पास भी सफाई रखनी चाहिए। सफाई की आदत का विकास बचपन से करना उचित होता है। घर हो या विद्यालय बच्चे को यहाँ-वहाँ कचरा न फेंकने व कूड़ेदान में कचरा डालने की सीख देनी चाहिए।

19. मोहित - यार, राहुल भ्रष्टाचार के कारण जीना हराम हो गया है।
राहुल - क्या बात है, मोहित कुछ हुआ क्या?
मोहित - क्या तुम भ्रष्टाचार से त्रस्त नहीं हो? क्या तुम्हारा सबकुछ ठीक-ठाक चल रहा है?
राहुल - नहीं, यार! ठीक-ठाक क्या चलेगा? परंतु मैं अपना काम तो कर ही लेता हूँ।
मोहित - क्या? तुम अपना काम कैसे निकालते हो? क्या तुम भी अपना काम निकालने के लिए भ्रष्टाचारियों को बढ़ावा देते हो।
राहुल - मज़बूरी है यार क्या करूँ?
मोहित - ठीक है तो मेरी तुम्हारी दोस्ती समाप्त! मैं भ्रष्टाचारियों के साथ नहीं रह सकता।
राहुल - नहीं यार, मैं सबकुछ छोड़ दूँगा तुम्हें नहीं छोड़ सकता! आज से मैं किसी को भी रिश्वत नहीं दूँगा।

अथवा

माँ - लड़कियों को अपनी सुरक्षा के प्रति खुद ही जागरूक रहना चाहिए।
बेटी - माँ! आप ठीक कह रही हैं। आजकल हमारे कॉलेज में स्वयं आत्मरक्षा करने के सम्बन्ध में शिविर लगाकर जानकारी दी जा रही है।
माँ - कैसी जानकारी?
बेटी - शारीरिक हिंसा से बचाव के दाँव-पेंच व शरीर को चुस्त व दुरुस्त रखने के व्यायाम सिखाते हैं- अचानक हुए आक्रमण से बचाव व स्वयं आक्रमण करने के तरीके बताते हैं।
माँ - अच्छा, तो यह सब लड़कियों को अवश्य सिखाना चाहिए।
बेटी - हमारे कॉलेज की अधिकतर लड़कियाँ अपनी आत्मरक्षा के तरीके सीख चुकी हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in